• बाल कविता...

अब तो खाओ

ताक धिना-धिन
ताल मिलाओ
हंसते जाओ,
गोरे - गोरे
थाल कटोरे
लो चमकाओ!
चकला - बेलन
मिलकर बेलें,
फूल - फुलकिया
अम्मां मेरी
सेंक - सेंककर
खूब फुलाओ!
भैया आओ
अम्मा को भी
यहां बुलाओ,
प्यारी अम्मा
सबने खाया
अब तो खाओ!

■ देवेंद्र कुमार

अब यह चिड़िया कहां रहेगी

आंधी आई जोर शोर से,
डालें टूटी हैं झकोर से।
उड़ा घोंसला अंडे फूटे,
किससे दुख की बात कहेगी!
अब यह चिड़िया कहां रहेगी?
हमने खोला आलमारी को,
बुला रहे हैं बेचारी को।
पर वो चीं-चीं कर्राती है
घर में तो वो नहीं रहेगी!
घर में पेड़ कहां से लाएं,
कैसे यह घोंसला बनाएं!
कैसे फूटे अंडे जोड़े,
किससे यह सब बात कहेगी!
अब यह चिड़िया कहां रहेगी?

■ महादेवी वर्मा

• चुटकुले...

लड़का – पता है, बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता..
लड़की – तो फिर तुम क्या करते हो..?
लड़का – मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं..!!!

पहला दोस्त – क्या कर रहे हो भाई?
दूसरा दोस्त – खा रहा हूं भाई...!
पहला दोस्त – अकेले– अकेले...?
दूसरा दोस्त – अबे बीवी से ताने खा रहा हूं, आजा तू भी खा ले...!!!

• जानकारी...

सबसे महंगी फुटबॉल ट्रॉफी

अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब अपने नाम कर लिया। कोलंबिया के खिलाफ फाइनल मैच काफी समय तक 0-0 की बराबरी पर रहा। पहले एक्सट्रा हाफ तक हर तरफ सन्नाटा था। दरअसल, पहले एक्सट्रा हाफ में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं थीं। लेकिन 112वें मिनट में अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने ऐसा गोल किया जो इतिहास बन गया। अर्जेंटीना ने ये बढ़त अंत तक कायम रखी और आखिर में 1-0 से कोपा चैंपियन बन गई. खैर आज हम आपको कोपा कप के बारे में नहीं, बल्कि दुनिया की उन टॉप फुटबॉल ट्रॉफियों के बारे में बताएंगे जिनकी कीमत अरबों में है।

पहले नंबर पर है फीफा वर्ल्ड कप 2022 की ट्रॉफी। ये अब तक की सबसे कीमती फुटबॉल ट्रॉफी है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस कप की कीमत लगभग 165 करोड़ रुपये है। 6 किलो से ज्यादा वजनी इस ट्रॉफी को बनाने के लिए 18 कैरेट के गोल्ड का इस्तेमाल हुआ है। यानी अगर ये ट्रॉफी भारत में किसी आदमी को मिल जाए तो वो रातों रात अरबपति हो जाएगा। हालांकि, ये ट्रॉफी पूरी टीम को मिलती है और इसे कोई एक अपने साथ नहीं रख सकता है। आपको बता दें, फीफा वर्ल्ड कप 2022 का चैंपियन भी अर्जेंटीना ही था।

कीमत के मामले में दूसरे नंबर पर है फुटबॉल असोसिएशन चैलेंज कप ट्रॉफी. ये दुनिया के कुछ सबसे पुराने फुटबॉल चैंपियनशिप में से एक है। इसमें जो टीम जीतता है उसे लगभग 8 करोड़ के कीमत वाली ट्रॉफी दी जाती है। इस ट्रॉफी को बनाने के लिए 6.3 किलो चांदी और अन्य धातुओं का प्रयोग होता है। साल 2022 में चेल्सिया को हराकर इस ट्रॉफी को लीवरपूल ने जीता था।

जब भी दुनिया की सबसे कीमती फुटबॉल ट्राफियों का नाम आता है तो उसमें Ballon d'Or ट्रॉफी का नाम जरूर रहता है। इस ट्रॉफी की कीमत लगभग 4 करोड़ के आसपास होती है। ये 12 किलो की गोल्ड प्लेटेड ट्रॉफी है, जिसे मेसी ने सात बार जीता है।

• उत्तर प्रदेश की लोक-कथा

शेखचिल्ली और कुएं की परियां

गतांक से आगे...

हाथ जोड़कर वे शेखचिल्ली से बोलीं, 'हे दानवराज, आप तो बड़े बलशाली हैं! आप व्यर्थ ही हम चारों को खाने की बात सोच रहे हैं। अगर आप हमें छोड़ दें तो हम कुछ ऐसी चीजें आपको दे सकती हैं जो आपके बड़े काम आएंगी।' परियों को देखकर व उनकी बातें सुनकर शेखचिल्ली हक्के - बक्के रह गए। समझ में न आया कि क्या जवाब दे। लेकिन परियों ने इस चुप्पी का यह मतलब निकाला कि उनकी बात मान ली गई। इसलिए उन्होंने एक कठपुतला व एक कटोरा शेखचिल्ली को देते हुए कहा, 'हे दानवराज, आप ने हमारी बात मान ली, इसलिए हम सब आपका बहुत - बहुत उपकार मानती हैं। साथ ही अपनी यह दो तुच्छ भेंटें आपको दे रही हैं। यह कठपुतला हर समय आपकी नौकरी बजाएगा। आप जो कुछ कहेंगे, करेगा। और यह कटोरा वह हर एक खाने की चीज आपके सामने पेश करेगा, जो आप इससे मांगेंगे।' इसके बाद परियां फिर कुएं के अन्दर चली गई।

इस सबसे शेखचिल्ली की खुशी की सीमा न रही। उसने सोचा कि अब घर लौट चलना चाहिए। क्योंकि बीवी जब इन दोनों चीजों के करतब देखेगी तो फूली न समाएगी। लेकिन सूरज डूब चुका था और रात घिर आई थी, इसलिए शेखचिल्ली पास के एक गांव में चले गए और एक आदमी से रात भर के लिए अपने यहाँ ठहरा लेने को कहा। यह भी वादा किया कि इसके बदले में वह घर के सारे लोगों को अच्छे - अच्छे पकवान व मिठाइयां खिलाएंगे। वह आदमी तैयार हो गया और शेखचिल्ली को अपनी बैठक में ठहरा लिया। शेखचिल्ली ने भी अपने कटोरे को निकाला और उसने अपने करतब दिखाने को कहा। बात की बात में खाने की अच्छी - अच्छी चीजों के ढेर लग गए। जब सारे लोग खा - पी चुके तो उस आदमी की घरवाली जूठे बरतनों को लेकर नाली की ओर चली। यह देखकर शेखचिल्ली ने उसे रोक दिया और कहा कि मेरा कठपुतला बर्तन साफ कर देगा। शेखचिल्ली के कहने भर की देर थी कि कठपुतले ने सारे के सारे बर्तन पल भर में निपटा डाले। शेखचिल्ली के कठपुतले और कटोरे के यह अजीबोगरीब करतब देखकर गांव के उस आदमी और उसकी बीवी के मन में लालच आ गया शेखचिल्ली जब सो गए तो वह दोनों चुपके से उठे और शेखचिल्ली के कटोरे व कठपुतले को चुराकर उनकी जगह एक नकली कठपुतला और नकली ही कटोरा रख दिया। शेखचिल्ली को यह बात पता न चली। सबेरे उठकर उन्होंने हाथ - मुंह धोया और दोनों नकली चीजें लेकर घर की ओर चल दिए।

घर पहुंचकर उन्होंने बड़ी डींगें हांकी और बीवी से कहा, 'भागवान, अब तुझे कभी किसी बात के लिए झींकना नहीं पड़ेगा। न घर में खाने को किसी चीज की कमी रहेगी और न ही कोई काम हमें - तुम्हें करना पड़ेगा। तुम जो चीज खाना चाहोगी, मेरा यह कटोरा तुम्हें खिलाएगा और जो काम करवाना चाहोगी मेरा यह कठपुतला कर डालेगा।' लेकिन शेखचिल्ली की बीवी को इन बातों पर विश्वास न हुआ। उसने कहा, 'तुम तो ऐसी डींगे रोज ही मारा करते हो। कुछ करके दिखाओ तो जानूं।' हां, क्यों नहीं?' शेखचिल्ली ने तपाक से जबाव दिया और कटोरा व कठपुतले में अपने - अपने करतब दिखाने को कहा। लेकिन वह दोनों चीजें तो नकली थीं, अतः शेखचिल्ली की बात झूठी निकली। नतीजा यह हुआ कि उनकी बीवी पहले से ज्यादा नाराज हो उठी। कहा, 'तुम मुझे इस तरह धोखा देने की कोशिश करते हो।

-जारी

इस सबसे शेखचिल्ली की खुशी की सीमा न रही। उसने सोचा कि अब घर लौट चलना चाहिए। क्योंकि बीवी जब इन दोनों चीजों के करतब देखेगी तो फूली न समाएगी। लेकिन सूरज डूब चुका था और रात घिर आई थी, इसलिए शेखचिल्ली पास के

एक गांव में चले गए और एक आदमी से रात भर के लिए अपने यहाँ ठहरा लेने को कहा। यह भी वादा किया कि इसके बदले में वह घर के सारे लोगों को अच्छे – अच्छे पकवान व मिठाइयां खिलाएंगे...

• रोचक...

मानसा मूसा

मनसा मूसा का जन्म 1280 में हुआ था। माली साम्राज्य पर 1312 तक उसके बड़े भाई मनसा अबू बकर ने राज किया था, इसके बाद वह एक लंबी यात्रा पर निकल गए थे, तब मनसा मूसा प्रथम ने गद्दी संभाली थी। आज के मॉरीटानिया, सेनेगल, गांबिया, गिनी, बुर्किना फासो, माली, चाड और नाइजीरिया तब मूसा की सल्तनत का हिस्सा हुआ करता थे। वहां सोने के बहुत बड़े भंडार हुआ करते थे। उस दौर में सोने की मांग बहुत ज्यादा थी और दुनिया का आधा सोना मूसा के पास ही था। उन्होंने टिम्बकटू और गाओ जैसे शहरों को विकसित किया था, जो अहम सांस्कृतिक केंद्र थे। इस दौरान वह मिडल ईस्ट और अफ्रीका से वास्तुकारों को लेकर आए थे, जिन्होंने इन शहरों में इमारतों का डिजाइन बनाया था। बता दें कि राजा मनसा मूसा को विरासत में अमीरी मिली थी, लेकिन उन्होंने माली को अफ्रीका का सबसे अमीर सल्तनत बनाया था, सॉल्ट और गोल्ड के साथ-साथ हाथीदांत से भी उनकी काफी कमाई होती थी।

• कमला हैरिस ...

भारतीय मूल की कमला हैरिस 20 जनवरी, 2021 को संयुक्त राज्य अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला हैं। साथ ही वो पहली अश्वेत व्यक्ति और पहली दक्षिण एशियाई-अमेरिकी के रूप में अमेरिकी इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। उन्होंने पहली बार अमेरिकी इतिहास में ये कार्य करके अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। जिसमें उन्होंने हर परेशानियों को पार कर अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि कमला हैरिस को दुनिया की सर्वेश्रेष्ठ पांच महिलाओं में तीसरा स्थान मिला।